भारत सरकार
विदेश मंत्रालय
लोक सभा
अतारांकित प्रश्न संख्या 4271
दिनांक 20.12.2024 को उत्तर दिए जाने के लिए

इजराइल में भारतीय कामगारों की कार्य दशा

4271. डॉ. डी. रवि कुमारः

क्या **विदेश** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) भारत सरकार और इजराइली सरकार और कंपनियों के बीच हुई व्यवस्था के भाग के रूप में अक्तूबर, 2023 से काम करने के लिए इजराइल भेजे गए भारतीय कामगारों का ब्यौरा क्या है;

(ख) उन इजराइली कंपनियों के नाम क्या हैं जहां भारतीय कामगारों को काम पर रखा गया है तथा उन्हें इजरायल में दी गई नौकरी की प्रकृति और स्वरूप तथा नौकरी के स्थानों आदि संबंधी ब्यौरा क्या है;

(ग) क्या इजराइल में काम पर भेजे जाने से पूर्व सभी कामगारों का बीमा कराया गया था और यदि हां, तो बीमा कवरेज का ब्यौरा क्या है और यदि नहीं, तो इसके क्या कारण हैं;

(घ) क्या मंत्रालय कार्य की परिस्थितियों, उनके स्वास्थ्य और अन्य मानवाधिकार मुद्दों के संबंध में कामगारों के संपर्क में है; और

(ङ) यदि हां, तो संघर्ष क्षेत्र में रखे गए कामगारों की सुरक्षा और कल्याण को मंत्रालय किस प्रकार सुनिश्चित कर रहा है और इस संबंध में क्या ठोस कदम उठाए गए हैं/उठाए जाने का विचार है?

उत्तर
विदेश राज्य मंत्री
(श्री कीर्ति वर्धन सिंह)

(क) से (ङ) इजरायल के साथ हस्ताक्षरित द्विपक्षीय फ्रेमवर्क करार के तहत, 04 दिसंबर 2024 तक 6583 भारतीय कामगार काम के लिए इजरायल पहुंच चुके हैं। उन्हें इजरायली प्राधिकारियों द्वारा भर्ती किया गया है, जिन्होंने इसके पश्चात इन चयनित आवेदकों को इजरायल में काम करने के

लिए 195 इजरायली कंपनियों में नियुक्त किया है। इन 6583 भारतीय कामगारों में से 2325 भवन निर्माण, 1906 आयरन बेंडिंग, 1578 प्लास्टरिंग और 774 सिरेमिक टाइलिंग में लगाए गए हैं।

इजराइल के साथ हस्ताक्षरित रूपरेखा करार और कार्यान्वयन प्रोटोकॉल के अनुसार, श्रम अधिकारों के संबंध में भारतीय कामगारों को इजराइली नागरिकों के समान ही सुविधा मिलेगी तथा उन्हें उचित आवास, चिकित्सा बीमा और संगत सामाजिक सुरक्षा कवरेज प्रदान किया जाएगा।

इजराइल स्थित भारतीय दूतावास भारतीय कामगारों के साथ नियमित संपर्क में है और उनकी सुरक्षा और कल्याण सुनिश्चित करने के लिए लगातार कौंसली दौरे आयोजित करता है। कुछ कामगारों ने अपनी शिकायतें लेकर संपर्क किया था कि उन्हें वह नौकरी नहीं दी गई जिसका उन्हें आश्वासन दिया गया था। इन शिकायतों को इजराइल में संबंधित अधिकारियों के साथ उठाया गया जिन्होंने मामले का समाधान कर दिया है।

*****